ग्रामीण क्षेत्र में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को भूगोल अधिगम में आने वाली कठिनांईयों का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय,भोपाल

एम.एड.(आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध

सत्र : 2011– 2012

मार्गदर्शक

संजय कुमार पंडागले
सहा.प्राध्यापक
(शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

सहमार्गदर्शक

प्रकाश महापात्रा
सहा.प्राध्यापक
(शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधार्थी

काले रंजन मदन
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

एनसीईआरटी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्,
श्यामला हिल्स, भोपाल (नध्यप्रदेश) 462013

ग्रामीण क्षेत्र में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को भूगोल अधिगम में आने वाली कठिनाईयों का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय,भोपाल

एम.एड.(आर.आई.ई.)उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध

सत्र : 2011– 2012

D - 358

मार्गदर्शक

संजय कुमार पंडागले
सहा.प्राध्यापक
(शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

सहमार्गदर्शक

प्रकाश महापात्रा
सहा.प्राध्यापक
(शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधार्थी

काले रंजना बबन
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्,
श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश) 462013

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ***काले रंजना बबन, एम.एड्, (आर.आई.ई.) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल*** *में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत् हैं। इन्होंने एम.एड. (आर.आई.ई.) में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघुशोध प्रबंध* ***''ग्रामीण क्षेत्र में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को भूगोल अधिगम में आने वाली कठिनाईयों का अध्ययन''*** *मेरे मार्गदर्शन में विधिवत् पूर्ण किया है।*

प्रस्तुत लघुशोध कार्य पूर्णतः मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है एवं पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई) 2011 – 2012 की उपाधि के लिए आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत करने में उपयुक्त तथा सक्षम हैं।

मार्गदर्शक

स्थानः भोपाल

दिनांकः

संजय कुमार पंडगले

सहायक–प्राध्यापक

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

घोषणा पत्र

*मैं काले रंजना बबन एम.एड (आर.आई.ई.) छात्रा यह घोषणा करती हूँ कि "**ग्रामीण क्षेत्र में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को भूगोल अधिगम में आने वाली कठिनाईयों का अध्ययन**" विषय पर लघुशोध प्रबंध वर्ष 2011 - 2012 में मैंने **संजय कुमार पंडागले, सहायक प्राध्यापक, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल** के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।*

*यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा **बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड (आर.आई.ई.)** 2011-2012 की उपाधि के लिए आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। इस शोध में दिए गए आंकड़े एवं सूचनाएँ विश्वसनीय स्त्रोंतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं। यह प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।*

शोधार्थी

स्थानः भोपाल

दिनांकः

रंजना काले
एम.एड (आर.आई.ई)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
(एन.सी.ई.आर.टी)

आभार – ज्ञापन

*प्रस्तुत लघुशोध **"ग्रामीण क्षेत्र में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को भूगोल अधिगम में आने वाली कठिनाईयों का अध्ययन"** की सम्पन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे **मार्गदर्शक संजय कुमार पंडागले, सहायक प्राध्यापक, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल** को हैं जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श तथा अनवरत् प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया। प्रस्तुत शोधकार्य प्रबंध आपके द्वारा शोधकार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग का प्रतिफल है।*

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के प्राचार्य आदरणीय प्रोफेसर एम.एन. बापट, अधिष्ठाता डॉ. रीटा शर्मा तथा डॉ. बी. रमेश बाबू, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग इनके स्नेहपूर्ण व्यवहार, आर्शीवाद तथा मार्गदर्शन के लिए जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगी।

मैं आदरणीय डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. के.के. खरे, डॉ. रत्नमाला आर्य, डॉ. सुनीती खरे, डॉ. एन.सी. ओझा, डॉ. सारिका.सी. साजू, श्री आनन्द वाल्मिकी इन सभी गुरुजनों का हृदय से आभारी हूँ। जिन्होंने समय–समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे शोधकार्य में सहयोग किया।

मैं पुस्तकालय के श्री पी.के. त्रिपाठी एवं सहयोगियों तथा अपने सहपाठियों को हृदय से धन्यवाद देती हूँ जिनके सहयोग से शोधकार्य सम्पन्न हो सका।

मैं अपने आदरणीय माता–पिता तथा परिवार के शुभ चिंतकों का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगी। शेलगांव हाई स्कूल, शेलगांव (आर), तुलसीदास जाधव प्रशाला शालेराम, विद्या मंदिर कन्या प्रशाला इन सभी स्कूल के प्रधानाचार्य की मैं मार्गदर्शन के लिए जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगी जिन्होंने मेरे अध्ययन में तन, मन तथा धन से सहयोग तथा आर्शीवाद दिया है।

अंत में मैं शोधकार्य से संबंधित चरणों में शोधकार्य में जिन्होंने किसी न किसी रूप में सहयोग दिया, उन सभी का सच्चे मन तथा हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

शोधार्थी

स्थानः भोपाल
दिनांकः

रंजना काले
एम.एड (आर.आई.ई)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
(एन.सी.ई.आर.टी)

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पेज नं.
	अध्याय प्रथम – शोध परिचय	1–23
1.1	प्रस्तावना	1
1.2	विभिन्न शिक्षा आयोग	2
1.2.1	कोठारी कमीशन (1964–1966)	3
1.2.2	एन.पी.ई. (1986) के अनुसार	3
1.2.3	राष्ट्रीय पाठ्यचर्या (1988)	4
1.2.4	राष्ट्रीय पाठ्यचर्या (2005)	6
1.3	भूगोल विषय का परिचय	7
1.3.1	भूगोल का अर्थ	8
1.3.2	भूगोल का उद्‌भव एवं विकास	9
1.3.4	भूगोल के प्रकार	10
1.3.5	प्राकृतिक भूगोल	10
1.3.6	मानव भूगोल	11
1.3.7	भूगोल शिक्षण की विधियाँ	13
1.3.8	मानचित्र कला	15
1.3.9	मानचित्र की उपयोगिता	16
1.3.10	भूगोल में मानचित्र का स्थान	16
1.3.11	मानचित्र की भाषा	17
1.3.12	मानचित्र के उद्‌देश्य	17
1.4	शोध की आवश्यकता	19
1.5	समस्या कथन	20
1.6	शीर्षक में प्रयुक्त शब्दों की व्याख्या	20
1.7	अध्ययन के उद्‌देश्य	22
1.8	शोध परिकल्पना	23
1.9	शोध परिसीमाएँ	23
	अध्याय द्वितीय – संबंधित साहित्य का अध्ययन	24–32

2.1	प्रस्तावना	24
2.2	साहित्य पुनरावलोकन की साधन	24
2.3	संबधित साहित्य का महत्व	25
2.4	संबंधित साहित्य के सर्वेक्षण लाभ	25
2.5	संबंधित साहित्य	25
2.6	सारांश	32
	अध्याय तृतीय – शोध प्रविधि	33–38
3.1	प्रस्तावना	33
3.2	अध्ययन की जनसंख्या	33
3.3	शोध के प्रकार	33
3.4	न्यादर्श का चयन	33
3.5	प्रतिदर्श प्रमाण	34
3.6	शोध अध्ययन में प्रयुक्त चर	35
3.7	शोध में प्रयुक्त उपकरण	36
3.8	उपकरण संबंधित प्रश्न पत्र	37
3.9	प्रदत्तों का संकलन	37
3.10	शोध में प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि	38
3.11	विषयवस्तु विश्लेषण	38
	अध्याय चतुर्थ – प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या	39–48
4.1	प्रस्तावना	39
4.2	अध्ययन के उद्देश्य	39
4.3	परिकल्पना	40
4.4	उद्देश्यो का विश्लेषण उद्देश्य क्रमांक 1 उद्देश्य क्रमांक 2 उद्देश्य क्रमांक 3 उद्देश्य क्रमांक 4 उद्देश्य क्रमांक	 40 42 44 45
4.5	परिकल्पना का विश्लेषण 1 परिकल्पना	48

	अध्याय पंचम – शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव	49–54
5.1	प्रस्तावना	49
5.2	समस्या कथन	49
5.3	अध्ययन के उद्देश्य	50
5.4	परिकल्पना	50
5.5	प्रतिदर्श चयन	50
5.6	शोध में प्रयुक्त उपकरण	50
5.7	शोध निष्कर्ष	51
5.8	सुझाव	53
5.8.1	अध्ययन हेतु सुझाव	54
5.8.2	प्रशासन हेतु सुझाव	54
5.8.3	अभिभावक हेतु सुझाव	54
5.8.4	भावी शोध हेतु सुझाव	54
	संदर्भ ग्रंथ सूची	64
	परिशिष्ट	56–63